KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 2

राजा, किसान और नगर
(आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं)

भाग - 5

राजधर्म के नवीन सिद्धांत

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

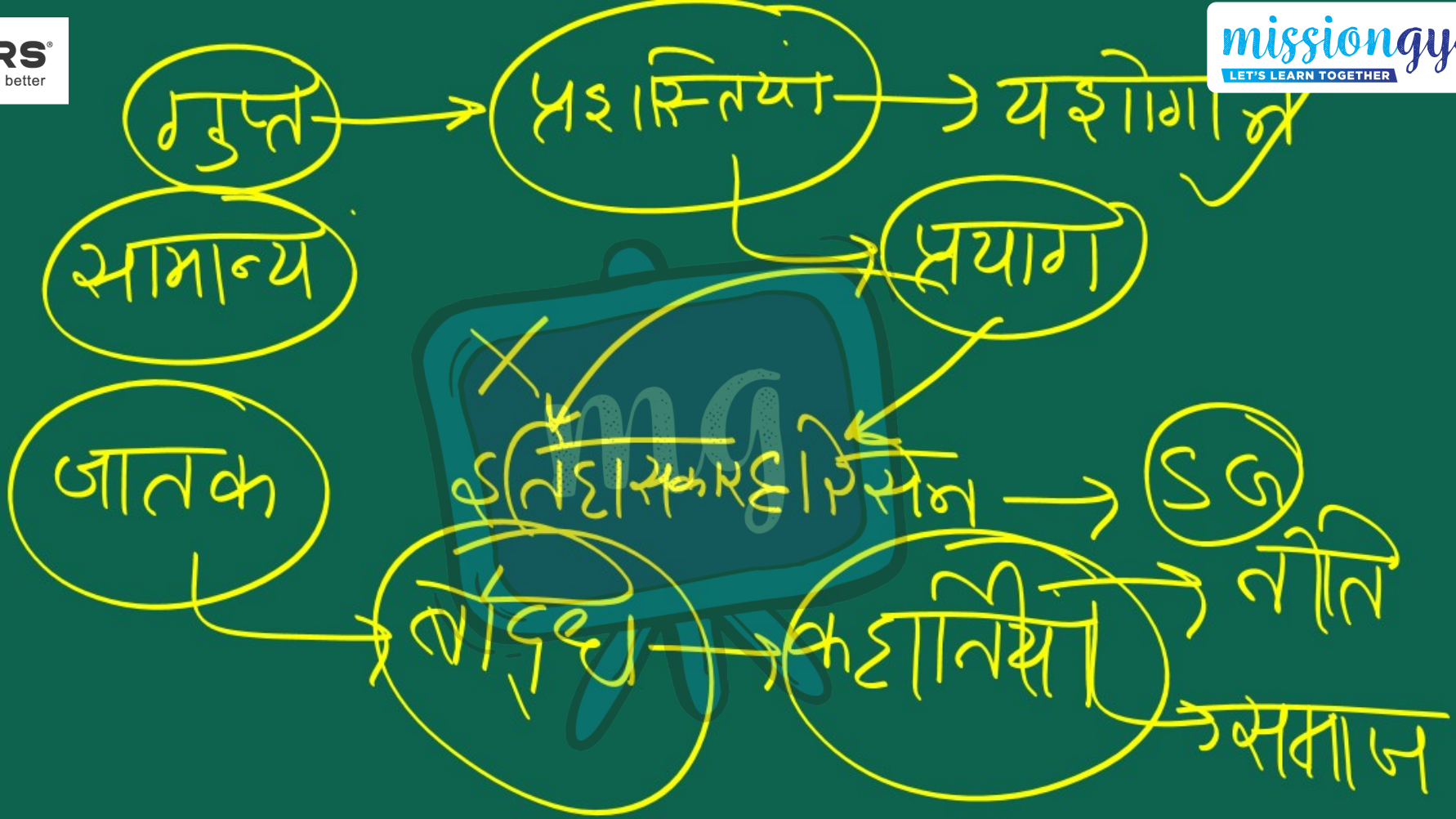

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

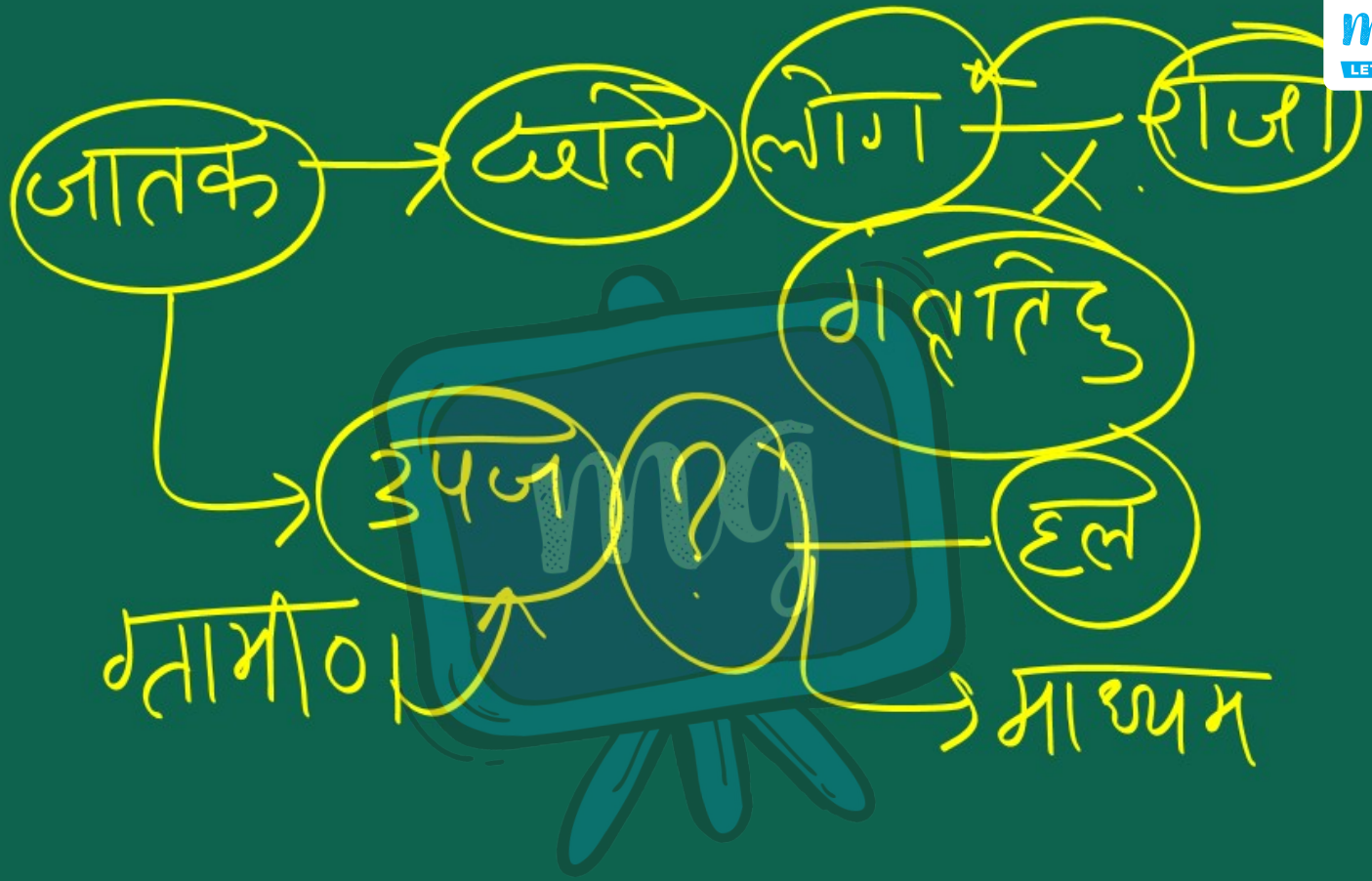

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गुप्त

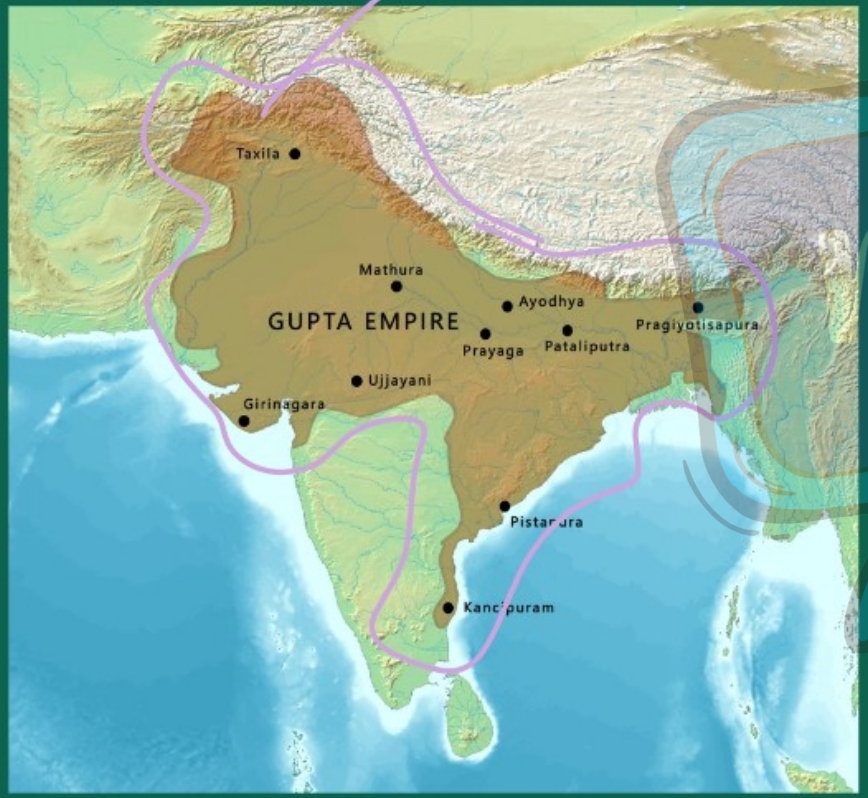

गुप्त काल :-

- चौथी शताब्दी ई. में गुप्त साम्राज्य सहित कई बड़े साम्राज्यों के साक्ष्य मिलते हैं।
- इस समय कई साम्राज्य सामन्तों पर निर्भर थे। तथा अपना निर्वाह स्थानीय संसाधनों से करते थे जिससे भूमि पर नियंत्रण भी शामिल था। वे शासकों का आदर भी करते थे और उनकी सैनिक सहायता भी करते थे। जो सामंत शक्तिशाली होते थे वे राजा भी बन जाते थे और जो राजा दुर्बल होते थे, वे बड़े शासकों के अधीन हो जाते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चन्द्रगुप्त - I

- गुप्त संवत
- महाराजाधिराज

- गुप्त वंश भी इसके संस्थापक श्री गुप्त जो कि एक बड़े सामंत थे, से प्रारम्भ होकर चंद्रगुप्त, समुद्रगुप्त जैसे प्रतापी शासकों तक पहुंचा।

  श्री गुप्त (240 – 280 ई.) संस्थापक

  घटोत्कच (280 – 319 ई. तक)

  चन्द्रगुप्त प्रथम (319 – 350 ई. तक)

  समुद्रगुप्त (350 – 375 ई. तक)

- भारत का नेपोलियन भी कहते हैं। चंद्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त, स्कन्दगुप्त, आदि प्रतापी शासक है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- चांदी सिक्के
- मद्दरौली - लौह स्तंभ
- कालिदास, धनवन्तरि वाराहमीर

- चन्द्रगुप्त द्वितीय (375 – 415 ई.) – विक्रमादित्य भी कहा गया। चीनी यात्री फाह्यान (405 – 411) तक इसके दरबार में रहा।

कुमार गुप्त प्रथम (415 – 455 ई.) – यह भी एक प्रतापी शासक था जिसने अश्वमेघ यज्ञ भी करवाया।

स्कन्दगुप्त (455 – 467 ई.) – गिरनार पर्वत पर स्थित सुदर्शन झील का अपने गवर्नर चक्रपालित द्वारा पुर्ननिर्माण करवाया।

अंतिम सफल शासक था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रयाग प्रशस्ति ऐतिहासिक साम्राज्य → स्रोत



गुप्त शासकों का इतिहास साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों की सहायता से लिखा गया है। साथ ही कवियों द्वारा अपने राज्य या स्वामी की प्रशंसा में लिखी गई प्रशस्तियां भी उपयोगी रही है।

इतिहासकार इन रचनाओं के आधार पर इतिहास खोजने का प्रयास करते हैं लेकिन ये रचनाऐं तथ्यात्मक विवरण की अपेक्षा काव्यात्मक ग्रंथ ही है। उदाहरण स्वरूप देखें तो इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख के नाम से प्रसिद्ध प्रयाग प्रशस्ति की रचना हरिषेण ने की जो संभवतः सर्वाधिक शक्तिशाली सम्राट समुद्रगुप्त के राजकवि थे, ने संस्कृत में की थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Box



समुद्रगुप्त की प्रशस्ति

प्रयाग प्रशस्ति का अंश

धरती पर उनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था। अनेक गुणों और शुभकार्यों से सम्पन्न उन्होंने अपने पैर के तलवे से अन्य राजाओं के यश को मिटा दिया है। वे परमात्मा पुरूष हैं। साधु (भले) की समृद्धि और असाधु (बुरे) के विनाश के कारण हैं। वे अज्ञेय हैं। उनके कोमल हृदय को भक्ति और विनय से ही वश में किया जा सकता है। वे करूणा से भरे हुए हैं। वे अनेक सहस्त्र गायों के दाता है। उनके मस्तिष्क की दीक्षा दीन-दुखियों, विरहणियों और पीड़ितों के उद्धार के लिए की गयी है। वे मानवता के लिए दिव्यमान उदारता की प्रतिमूर्ति हैं। वे देवताओं में कुबेर (धन देव), वरूण (समुद्र देव), इन्द्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु देव) के तुल्य हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. इतिहासकार गुप्त वंश के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए स्रोत/साक्ष्य का इस्तेमाल करते हैं?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



राजा कैसे रहे होंगे ?

राजा कैसे ?



बदलता हुआ देहात

जनता में राजा की छवि :-

- राजाओं के बारे में प्रजा क्या सोचती थी इसका जवाब अभिलेखों द्वारा नहीं मिल सकता।
- साधारण जनता द्वारा राजाओं के बारे में अपने विचार और अनुभव के विवरण कम ही छोड़े गये हैं।
- जातक तथा पंचतंत्र जैसे ग्रंथों में वर्णित कथाओं की समीक्षा करके इतिहासकारों ने इसका निराकरण करने का प्रयास किया है।
- इनमें से अनेक कथाओं के स्त्रोत मौखिक किस्से कहानियां हैं। जिन्हें बाद में लिपिबद्ध किया गया होगा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

IAP

जातक कथा ?

जातक कथाएं पहली सहस्त्राब्दि ई. के मध्य में पालि भाषा में लिखी गयी है।

जातक कथाऐं महात्मा बुद्ध के पूर्व जन्मों की कथाऐं हैं। ये विश्व की प्राचीनतम लिखित कथाऐं हैं। इसमें लगभग 600 कहानियां संग्रह की गयी है। जिनमें मनोरंजन के माध्यम से नीति और धर्म को समझाने का प्रयास किया गया है। ये बौद्ध ग्रंथ त्रिपिटिक का भाग है।

KOLORS
make life better

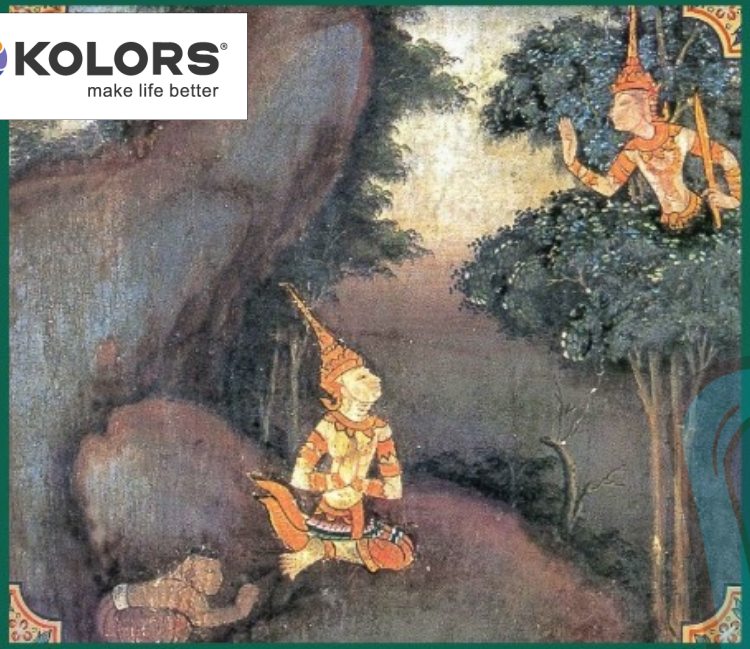

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- गंदतिन्दु जातक नामक एक कहानी में बताया गया है कि –
- एक कुटिल राजा की प्रजा दुखी रहती है। वृद्ध महिलाऐं, पुरूष, किसान, पशुपालक, ग्रामीण बालक और यहां तक की जानवर भी शामिल हैं। जब राजा वेश बदलकर प्रजा के बीच में उनकी सोच जानने के लिए जाता है तो एक-एक कर सभी अपने दुखों का कारण राजा को ही बताकर बुरा-भला कहते हैं। उन्होंने कहा कि रात में डकैत तथा दिन में राजा के अधिकारी कर के नाम पर उनको लूटते हैं। इससे बचने के लिए ये लोग अपने अपने गांव छोड़कर जंगल में बस गये।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

करें

- इससे पता चलता है कि राजा और प्रजा विशेषकर ग्रामीण के बीच संबंध तनावपूर्ण रहते थे। क्योंकि शासक अपने राजकोष को भरने के लिए बड़े-बड़े कर मांग करते थे जिससे किसान त्रस्त रहते थे।
- इस बीच करों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए किसानों ने उपज बढ़ाने के और उपाय ढूंढने शुरू किये।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जातक कथाओं के माध्यम से हम सामान्य जनता के बारे में जानकारी कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





उपज बढ़ाने के तरीके :–

- उपज बढ़ाने का एक तरीका हल का प्रचलन था। जो 600 ई. पू. से ही गंगा तथा कावेरी की घाटियों के उर्वर कछारी क्षेत्र में फैल गया था।
- जिन क्षेत्रों में भारी वर्षा होती थी वहां लोहे के फाल वाले हलों के माध्यम से उर्वर भूमि की जुताई की जाने लगी।
- गंगा की घाटी के क्षेत्रों में धान की रोपाई की उपज में भारी वृद्धि होने लगी। हालांकि किसानों के इसके लिए कमरतोड़ मेहनत करनी पड़ती थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यद्यपि लोहे के फाल वाले हल से फसलों की उपज बढ़ने लगी थी लेकिन ऐसे हलों का उपयोग कुछ ही हिस्सों में सीमित था। पंजाब और राजस्थान जैसे अर्द्धशुष्क जमीन वाले क्षेत्रों में लोहे के फाल वाले हल का प्रयोग 20वीं सदी से शुरू हुआ।
- उपमहाद्वीप के पूर्वोत्तर और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग खेती के लिए कुदाल का प्रयोग करते थे जो ऐसे इलाकों के लिए कहीं अधिक उपयोगी था।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

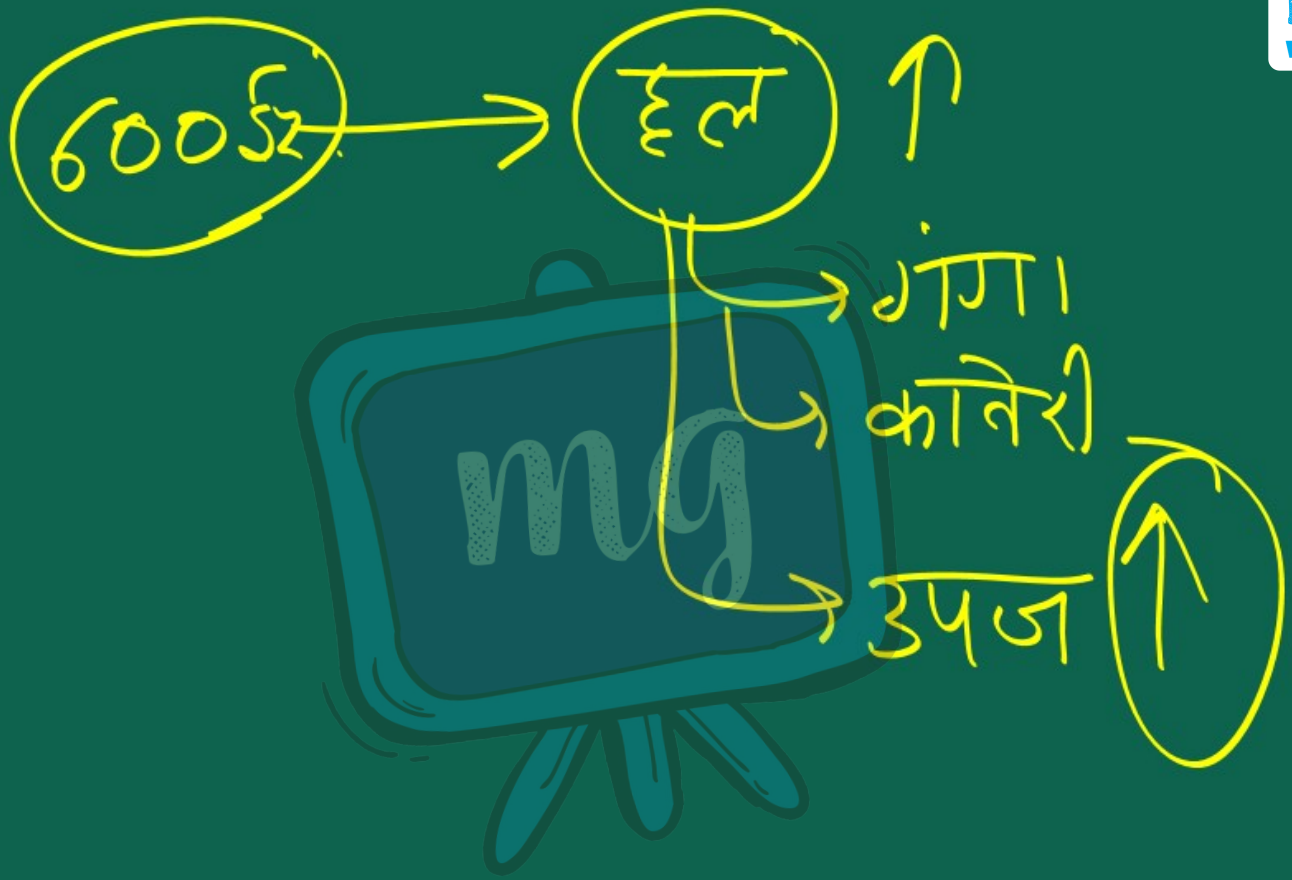

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 हल का उपयोग।

वर्षा

- उपज बढ़ाने का एक और तरीक कुओं, तालाबों और कहीं-कहीं नहरों के माध्यम से सिंचाई करना था।
- व्यक्तिगत लोगों और कृषक समुदायों ने मिलकर सिंचाई के साधन निर्मित किये।
- व्यक्तिगत तौर पर तालाबों, कुओं और नहरों जैसे सिंचाई के साधनों का निर्माण राजा या प्रभावशाली लोग करवाते थे। जिन्होंने अपने इन कामों का उल्लेख अभिलेखों में भी करवाया था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



गुजरात की सुदर्शन झील :-



- यह एक कृत्रिम जलाशय है।
- जूनागढ़ अभिलेख से इसकी जानकारी मिलती है जोकि दूसरी शताब्दी ई. में संस्कृत में लिखा गया पाषाण अभिलेख है जिसे शक शासक रूद्रदमन की उपलब्धियों का उल्लेख करने के लिए बनवाया गया था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- यह गुजरात में गिरनार पर्वत पर स्थित है।
- इसका निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य ने गर्वनर पुण्यगुप्त वैश्य की सहायता से करवाया।
- शक शासक रूद्रदमन ने अपने सौराष्ट्र गवर्नर सुविशाख द्वारा इसका जीर्णोद्धार करवाया था।
- स्कन्दगुप्त ने गर्वनर चक्रपालित द्वारा इसकी मरम्मत करवा कर बांध बनवाया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

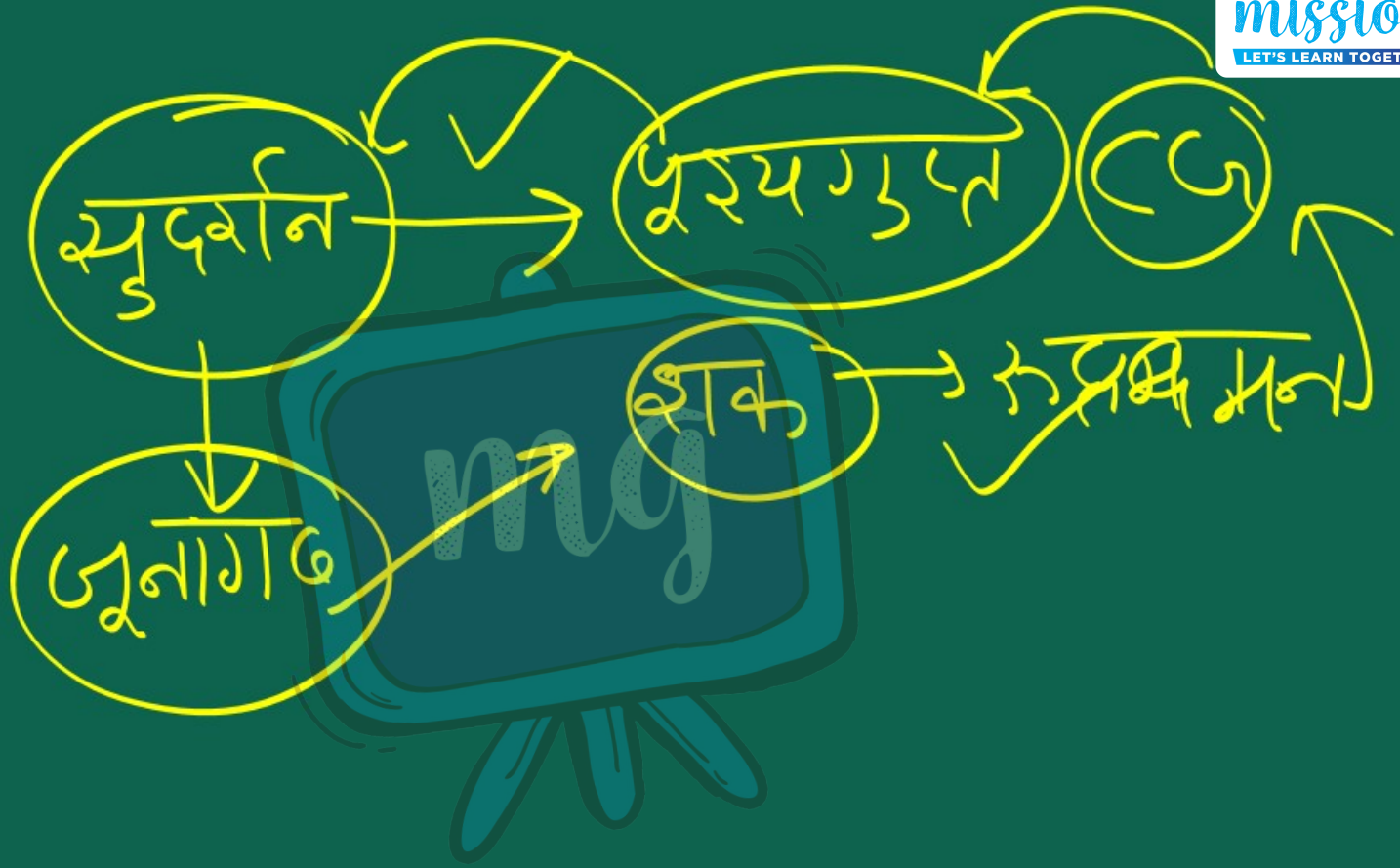

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रूद्रदमन के अभिलेख में लिखा है कि :-

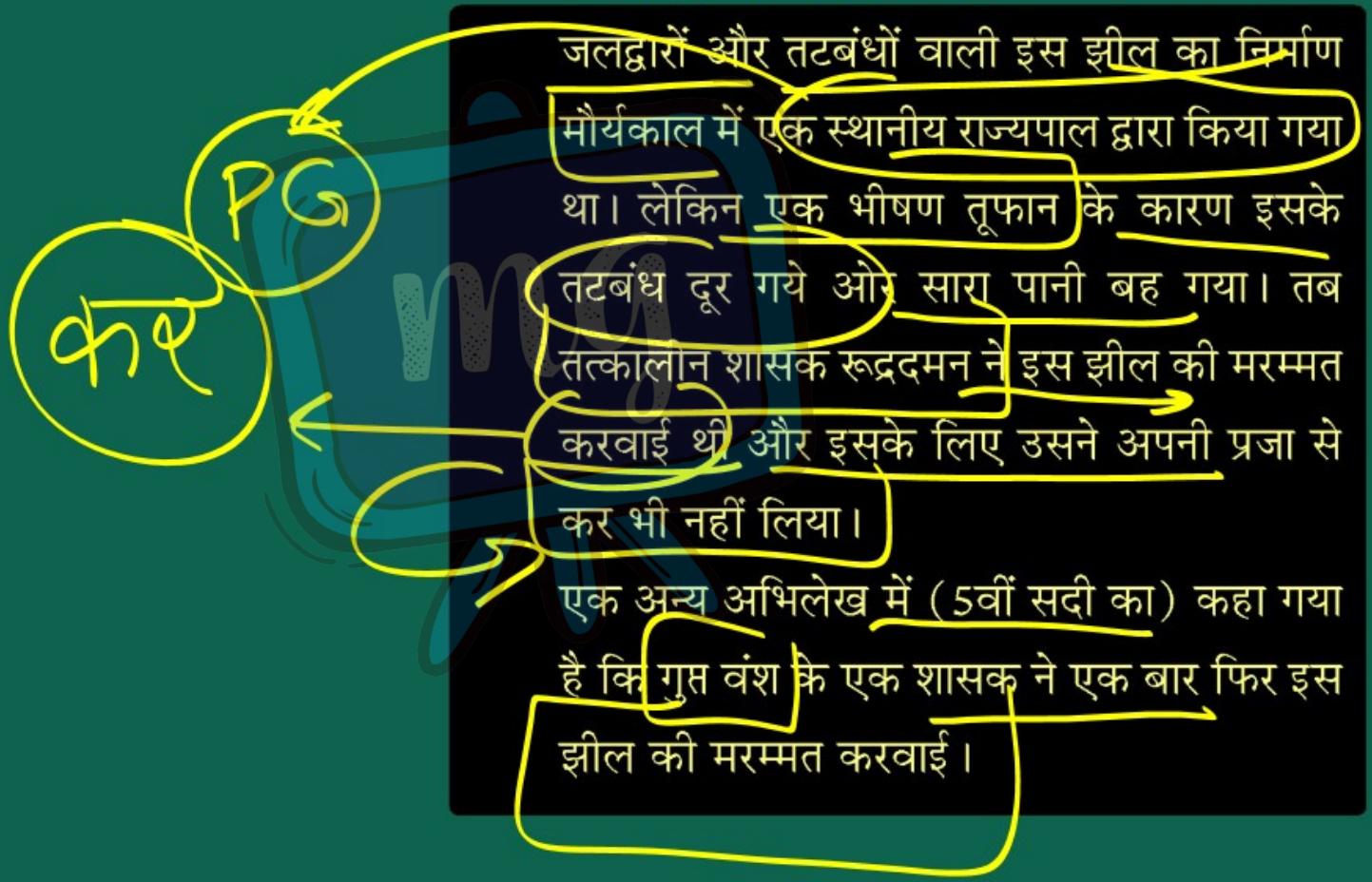

जलद्वारों और तटबंधों वाली इस झील का निर्माण मौर्यकाल में एक स्थानीय राज्यपाल द्वारा किया गया था। लेकिन एक भीषण तूफान के कारण इसके तटबंध दूर गये और सारा पानी बह गया। तब तत्कालीन शासक रूद्रदमन ने इस झील की मरम्मत करवाई थी और इसके लिए उसने अपनी प्रजा से कर भी नहीं लिया।

एक अन्य अभिलेख में (5वीं सदी का) कहा गया है कि गुप्त वंश के एक शासक ने एक बार फिर इस झील की मरम्मत करवाई।

KOLORS®
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q प्राचीन काल मे उपज बढाने के तरीकों पर चर्चा ?



हल

सींचाई

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

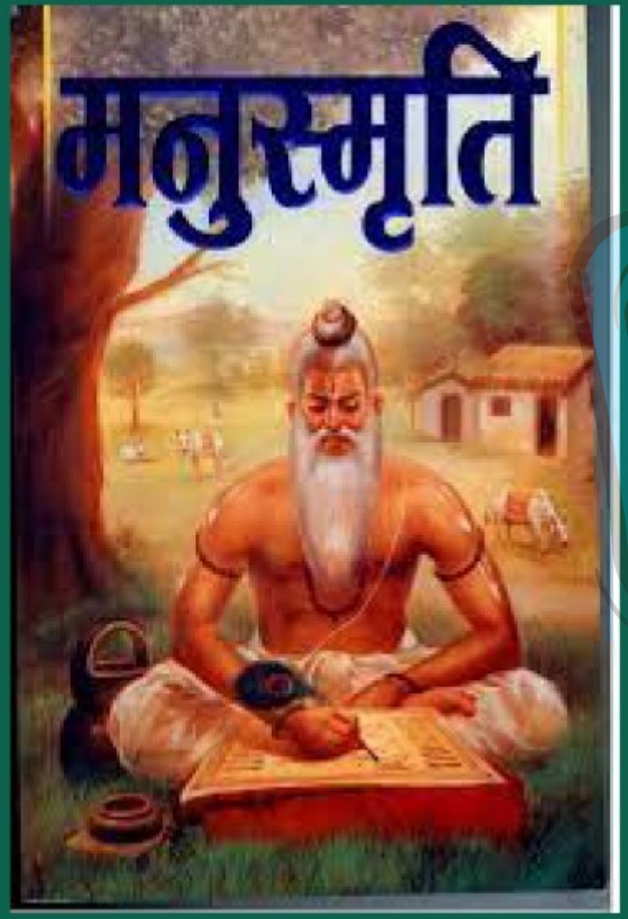

सीमाओं का महत्व

महर्षि मनु द्वारा लिखित ग्रंथ मनुस्मृति में राजा को सलाह दी गयी कि

चूंकि सीमाओं की अनभिज्ञता के कारण विश्व में बार बार विवाद पैदा होते हैं। इसलिए इन सीमाओं की पहचान के लिए गुप्त निशान जमीन में गाड़कर रखने चाहिए जैसे कि – पत्थर, हड्डियां, गाय के बाल, भूसी, राख, खपटे, गाय के सूखे गोबर, ईंट, कोयला, कंकड और रेत।

उसे सीमाओं पर इस प्रकार के और तत्व भूमि में छुपा कर गाड़ने चाहिए जो समय के साथ नष्ट न हो ।

मनुस्मृति संस्कृति भाषा में लिखा गया आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधि ग्रंथ है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

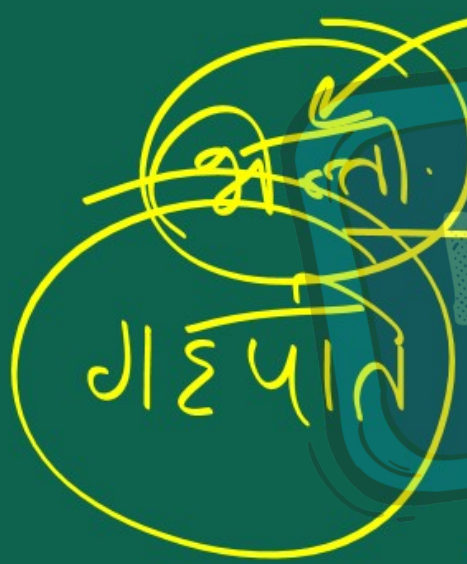

ग्रामीण समाज में विभिन्नताऐं:-

- खेती की नई तकनीकों से यद्यपि उपज तो बढ़ी लेकिन इसके लाभ समान नहीं थे।
- खेती से जुड़े लोगों में उत्तरोत्तर भेद बढ़ता जा रहा था। कहानियों में विशेषकर बौद्ध कथाओं में, बड़े बड़े जमींदारों, छोटे किसानों तथा भूमिहीन खेतीहर श्रमिकों का उल्लेख मिलता है।
- पालि भाषा में गहपति शब्द का प्रयोग छोटे किसानों तथा जमींदारों के लिए किया जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

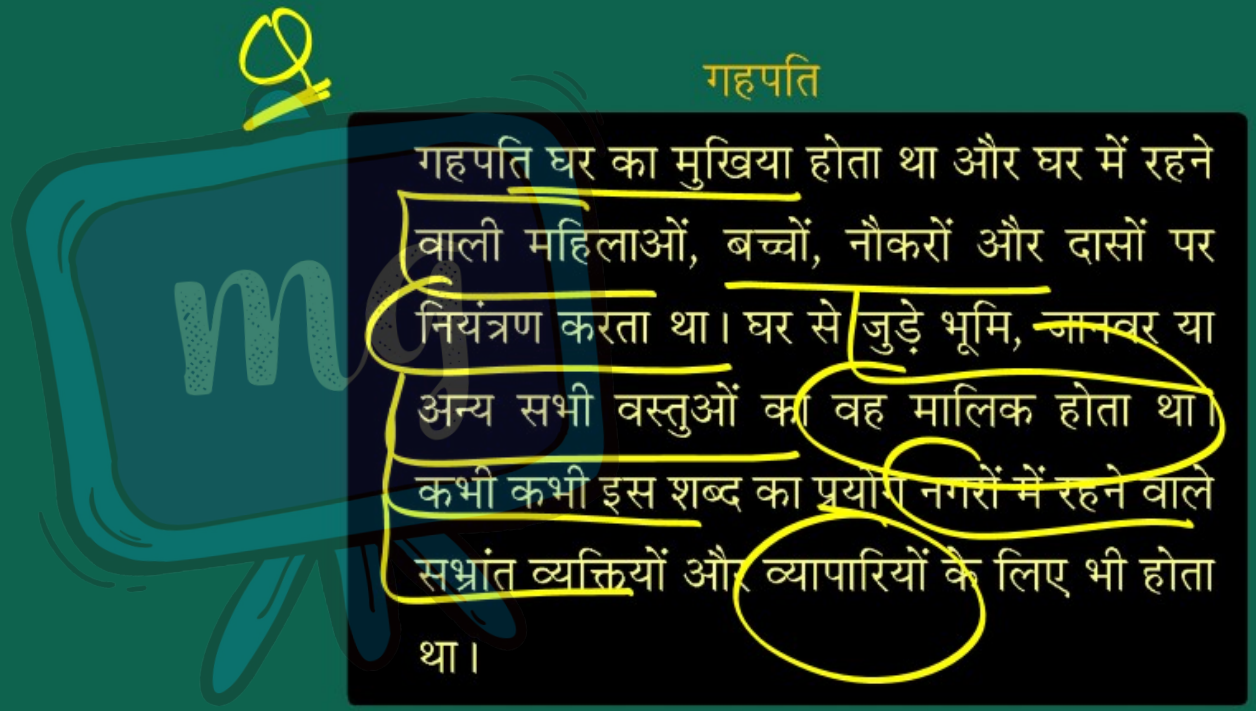

गहपति

गहपति घर का मुखिया होता था और घर में रहने वाली महिलाओं, बच्चों, नौकरों और दासों पर नियंत्रण करता था। घर से जुड़े भूमि, जानवर या अन्य सभी वस्तुओं का वह मालिक होता था। कभी कभी इस शब्द का प्रयोग नगरों में रहने वाले सभ्रांत व्यक्तियों और व्यापारियों के लिए भी होता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बड़े-बड़े जमींदार और ग्राम प्रधान शक्तिशाली होते थे।
- ये प्रायः किसानों पर नियंत्रण रखते थे।
- ग्राम प्रधान का पद प्रायः वंशानुगत होता था।
- आरम्भिक तमिल संगम साहित्य में भी गांवों में रहने वाले विभिन्न वर्गों के लोगों का उल्लेख है।

जैसे –
- वेल्लालर या बड़े जमींदार
- उल्वर या हलवाहा
- अणिमई या दास

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

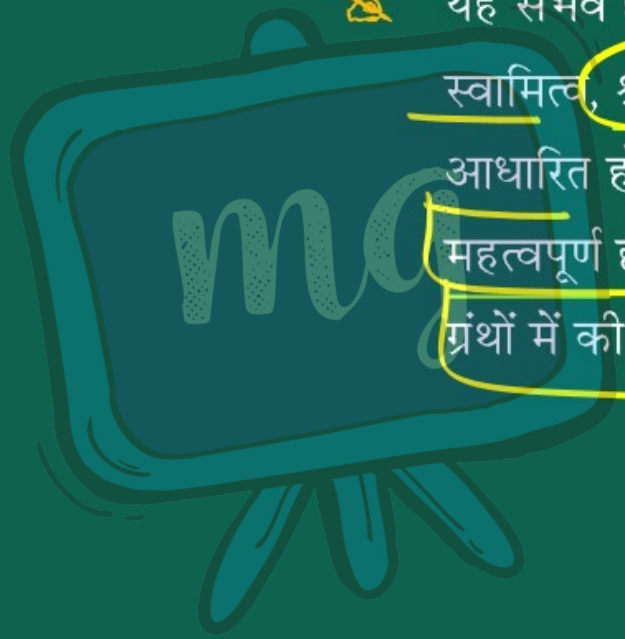

यह संभव है कि वर्गों की यह विभिन्नता भूमि के स्वामित्व, श्रम तथा नई प्रौद्योगिकी के उपयोग पर आधारित हो। ऐसी स्थिति में भूमि का स्वामित्व महत्वपूर्ण हो गया था। जिसकी चर्चा प्रायः विधि ग्रंथों में की जाती थी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

